

## हिन्दी में सर्वप्रथम -

- ① हिन्दी का प्रथम उपन्यास — परीक्षागुरु  
(लाला श्रीनिवास दास)
- ② भगवती चरण वर्मा का प्रथम उपन्यास — धृतामर्षी
- ③ हिन्दी की प्रथम दलित स्तना — अहूत की शिकायत
- ④ खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य — प्रियप्रवास (हरिऔध)
- ⑤ हिन्दी का प्रथम वसा महाकाव्य — पद्यावत
- ⑥ हिन्दी की पहली कहानी लेखिका — बंग महिला
- ⑦ हिन्दी साहित्य में प्रयोगवाद के प्रवर्तक — अज्ञेय
- ⑧ हिन्दी की प्रथम मौलिक कहानी — इंदुमती (किशोरी लाल)
- ⑨ प्रेमचंद की प्रथम कहानी — पंच परमेश्वर
- ⑩ हिन्दी का प्रथम मौलिक नाटक — नटुष (पंचमेश्वर)
- ⑪ हिन्दी साहित्य का इतिहास सर्वप्रथम लिखने लगा —  
→ शिव सिंह सेगर्
- ⑫ हिन्दी का प्रथम लोकी → रज्जुबूट (प्रसाद)
- ⑬ हिन्दी में प्रथम जीवनी → भक्त माल (नाभादास)
- ⑭ हिन्दी में प्रथम संस्मरण → हरिऔध जी का (बालमुकुन्दगुरु)
- ⑮ हिन्दी में प्रथम रिपीटीव → लक्ष्मीपुरा (शिवदान चौधरी)
- ⑯ हिन्दी में प्रथम रेखाचित्र → पद्म पत्रिका (पद्म शर्मा)
- ⑰ खड़ी बोली की प्रथम स्तना → चंद बंद बरनन की  
महिमा (गंग कवि)
- ⑱ खड़ी बोली (पद्य) का प्रथम प्रयोगकर्ता → उममीर खुसरो
- ⑲ प्रथम हिन्दी पत्र → उदंत मार्तण्ड (कल्पकला 30 May 1826)  
(पुंगल किशोर सिन्हा)
- ⑳ आनपीठ पुरस्कार के सम्मानित प्रथम व्यक्ति → सुमित्रा  
इसी दिन हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है।



11) ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रथम महिला → महावर्मि

12) प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन → नागपुर (1975)

23) UNO में हिन्दी में भाषण देने वाला प्रथम व्यक्ति  
उमटल बिहारी वाजपेयी

24) हिन्दी भाषा का प्रथम व्याकरण ग्रंथ → अष्टाध्याय

25) हिन्दी भाषा का प्रथम वैज्ञानिक इतिहास → हिन्दी भाषा का इतिहास (पीरेन्द्र)

26) हिन्दी का प्रथम भाषा सर्वेक्षक → अमीर खुसरौ

27) हिन्दी का प्रथम गद्यकृत्य → साधना (कृष्णदास)

28) हिन्दी का प्रथम यात्रावृत्त → सरयू पार की यात्रा

29) नाथ साहित्य का प्रणेता → गोरखनाथ

30) हिन्दी का प्रथम सामाजिक उपन्यास → भाग्यवती (श्रीधर)

31) हिन्दी भाषा प्रथम सर्वेक्षक → अमीर खुसरौ

32)



## \* Imp Points \*

- \* दायवादी युग के तसिद्ध कहानीकार — जयशंकर प्रसाद
- \* केवल 6 निबंध लिखकर तसिद्ध लेखक — सरदार पूर्णसिंह
- \* डॉ. सम्पूर्णानन्द को मंगलाप्रसाद पुरस्कार मिला — समाजवाद पर
- \* हिन्दी गद्य के उत्कर्ष का लुयेदिय काल — द्विवेदी युग
- \* हिन्दी काव्य साहित्य का विविध काल :-

- (1) आदिकाल (वीरगाथाकाल) — सन् 993 to 1318 ई०
  - (2) पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल) — सन् 1318 to 1643 ई०
  - (3) उ० - मध्यकाल (रीतिकाल) — सन् 1643 to 1843 ई०
  - (4) आधुनिक काल (गद्यकाल) — सन् 1843 to अब तक
- \* काव्य के भेद
- |   |              |   |              |   |           |
|---|--------------|---|--------------|---|-----------|
| { | श्रव्य काव्य | { | प्रबंध काव्य | { | महाकाव्य  |
|   | दृश्य काव्य  |   | मुक्तक काव्य |   | खण्डकाव्य |
|   |              |   |              |   | गीतिकाव्य |

- \* वीरगाथाकाल की दो तसिद्ध भाषा — डिंगल - पिंगल

### आधुनिक काल का विभाजन :-

- (1) भारतेन्दु युग :- 1843/1857 - 1900 ई०
  - (2) द्विवेदी युग :- 1900 ई० - 1918 तक
  - (3) दायवाद काल — 1918 ई० - 1938 तक
  - (4) दायवादोत्तर काल — 1938 ई० - वर्तमान तक
- \* तारसप्तक प्रकाशन किया — 1943 (अज्ञेय ने)
  - \* अर्द्धसमांगिक स्थाना — पृथ्वीराज रासो



- \* काव्य साहित्य का स्वर्णकाल — भक्तिकाल
- \* वात्सल्य रस के सम्राट — सूरदास
- \* 'श्रीरामचरितमानस' किस भाषा में लिखी — अवधी
- \* बिहारी ने सर्वाधिक लिखे — दोहे
- \* 'विनयपत्रिका' किस भाषा में लिखा — ब्रज
- \* तुलसीदास के वचन का नाम — रामबोला
- \* रीतिकाल का अन्य नाम — शृंगारकाल
- \* 'कठिन काव्य का प्रेत' कहते हैं — केशवदास
- \* 'बिहारी सतसई' की भाषा है — ब्रजभाषा
- \* 'रीतिमुक्त काव्यधारा' के कवि हैं — धनानंद
- \* मैथिलीशरण गुप्त का प्रथम 'काव्य संग्रह' —  
भारत-भारती
- \* 'शब्दकवि' <sup>पत्नी</sup> से सुशोभित किया — मैथिलीशरण
- \* प्रकृति के सुकुमार कवि हैं — सुमित्रानन्दन पंत
- \* नयी कविता का शुभारंभ — 1954 में (नरेन्द्रशर्मा)
- \* प्रयोगवादी काव्यधारा के जनक — अज्ञेय
- \* छायावादीतर को बाँटा गया  $\leftarrow$  प्रयोगवाद  
प्रगतिवाद  
नयी कविता काल
- \* 'उद्भवशतक' के कवि का नाम — जगन्नाथदास  
(रत्नाकर)
- \* 'शक्ति' की नायिका है — उमिला



\* 'दिनकर' को किस स्वना पर जानपीठ पुरस्कार मिला — अविशी

\* हैमचन्द्र का 'अधुरा उपन्यास' है — मंगलधूत

\* कवियों का कालों के अनुसार विभाजन:-

आदिकाल (वीरगाथाकाल): — दलपति विजय, नरपतिनाथ, शङ्कर, जगन्निष्ठ, चन्दरबख्शई, नाथसिंह, विद्यापति, रहमान, स्वयंभू, विजयदेव शूरि, विश्वर्म स्मरि — ।

भक्ति काल: — कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, कुतुबन, जायसी।

→ निगुणमयी < ज्ञानाश्रयी काव्यधारा (कबीरदास)  
→ सगुणमयी < प्रेमाश्रयी (सूरदास) ११ (जायसी), (कुतुबन)  
कृष्ण भक्ति ११ (सूरदास)  
राम भक्ति ११ (तुलसीदास), नाभापाल

रीतिकाल: — केशवदास, धनानन्द, बिहारी, भूषण, चिंतामणि, मीराबाई, रहीम, मतिराम

आधुनिक काल: —

- 1) भारतेन्दु युग — भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- (2) द्विवेदी युग — रत्नाकर, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त,
- 3) दायवादी युग — जयशंकर प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी वर्मा
- 4) दायवादीतर युग — दिनकर, अज्ञेय, भुक्तिबोध, माखनलाल चतुर्वेदी, वचन ।



\* अष्टहाप के कवि :- 156 5 (वल्लभाचार्य & विट्ठलनाथ)

↳ सुरदास, कुम्भनदास, नंददास, कृष्णदास,  
परमोददास, ह्रीतस्वामी, गोविंद स्वामी,  
चतुर्भुजदास।

\* अष्टहाप का पहला छंद - सुरदास

\* कबीर की भाषा को सधुम्कड़ी भाषा किसने कहा -  
रामचन्द्र शुक्ल

↳ 'पंचमेल की खिन्दी' किसने कहा - श्यामसुन्दरदास

↳ 'वाणी का डिटेक्टर' किसने कहा - हजारीप्रसाद

\* रासो काव्य का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ - पृथ्वीराज रासो

\* किस रचना की वजह से विद्यापति 'मैथिल -  
कौटिल' कहलाए - पदावली (मैथिली भाषा)

\* विरह काव्य है - संदेश रासक (अबुल रहमान)

\* हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों का विभाजन  
किया - जॉर्ज ग्रियसन

\* आदिकाल के उपनाम :-

(a) चारणकाल - जॉर्ज ग्रियसन

(b) प्रारम्भिक काल - मिश्र बंधु

(c) वीरवपनकाल - महा. प्र. द्विवेदी

(d) वीरगाथाकाल / आदिकाल - रामचन्द्र शुक्ल

(e) निम्न सामंतकाल - राहुल सांकृत्यायन

(1) સાંધિકાલ — રામકુમાર બર્મા  
(2) આદિકાલ — દણારી ત્ર. દિવેદી

\*